उलटी गिनती शुरू

प्रेस नोट 1 - फरवरी 23, 2023

बैंकाक महाधर्मप्रांत का प्रेरितिक प्रशिक्षण केंद्र, बान फु वान (द सोवर हाउस) में 24 फरवरी से 26 फरवरी, 2023 तक धर्मसभा पर एशियाई महाद्वीपीय सभा की मेजबानी कर रहा है। भाग लेने वाले प्रतिनिधियों में धर्माध्यक्षों के 17 सम्मेलनों और धर्माध्यक्षों के 2 महासभाओं (सिनोड)के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो उन 29 देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो एशियाई धर्माध्यक्षीय सम्मेलन संघ (FABC) का गठन करते हैं। इस धर्मसभा यात्रा में एक साथ 6 कार्डिनल, 5 आर्चबिशप, 18 धर्माध्यक्ष, 28 पुरोहित, 4 धर्मबहनें और 19 लोकधर्मी व्यक्ति हैं।

एशिया, सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला महाद्वीप, विविध संस्कृतियों, भाषाओं, जातियों और धर्मों से समृद्ध है। जबकि एशिया के अधिकांश हिस्सों में ईसाई धर्म बहुत कम एवं अल्पसंख्यक है, व्यक्तिगत संस्कृतियों की जीवंतता और समृद्धि कलीसिया के जीवन में खुशी लाती है। यद्यपि मान्यताओं, मूल्यों और प्रतीकों की प्रणालियाँ अलग-अलग जगहों पर भिन्न होती हैं, मानव समुदाय की परस्पर संबद्धता एशियाई लोगों को एक साथ खींचती है। संबंधपरक होने का एशियाई मूल्य- ईश्वर, स्वयं, पड़ोसी और ब्रह्मांड के साथ- अपने साथ मानव परिवार की एकता और एशिया के लोगों की एकता लाता है।

चुनौतियों के बावजूद, धर्मसभा यात्रा को कलीसिया के लिए अनुग्रह और उपचार का क्षण माना गया है। 'तम्बू के रूप में कलीसिया' की छवि इसे एक आश्रय स्थल के रूप में पेश करती है जिसे समावेशिता की भावना से सभी के लिए विस्तारित किया जा सकता है। यह यह भी व्यक्त करता है कि हिसा, अशांति और पीड़ा के स्थानों सहित जहां कहीं भी ईश्वर की आत्मा चलती है, वहां ईश्वर अपना तम्बू खड़ा कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तम्बू में सभी के लिए जगह है; कोई भी बाहर नहीं है, क्योंकि यह सभी का घर है। इस प्रक्रिया में, जो लोग अतीत में 'छोड़ दिया' महसूस करते थे, अब महसूस करते हैं कि इस तंबू में उनका एक घर है - एक पवित्र और सुरक्षित स्थान।

तम्बू की छवि हमें यह भी याद दिलाती है कि येसु ने देहधारण के माध्यम से हमारे बीच अपना तम्बू खड़ा किया, और इसलिए तम्बू भी ईश्वर और एक दूसरे से मिलने का स्थान है। तम्बू, जिसे अब आम घर के रूप में

देखा जाता है, ने भी सामान्य बपतिस्मा में अपनेपन और साझा करने की भावना को फिर से जगाया है। सिनॉडल प्रक्रिया ने समुदायों के एक समुदाय के रूप में एक साथ चलने के महत्व के बारे में अधिक महत्वपूर्ण जागरूकता पैदा की है, जिससे कलीसिया का जैविक विकास हुआ है।

एक ड्राफ्ट फ्रेमवर्क, एक ओपन एंडेड वर्किंग पेपर तैयार किया गया है ताकि प्रतिनिधियों को प्रार्थना के माध्यम से विचार करने, चर्चा करने और विचार-विमर्श करने में एक साथ यात्रा करने में मदद मिल सके। अगले तीन दिनों में प्रतिनिधि आनंद, एक साथ चलने, घावों के अनुभव और नए रास्तों को अपनाने के आह्वान के अपने अनुभव साझा करेंगे। वे उन तनावों पर जो एशिया को पीड़ित करते हैं - सजीव धर्मसभा, निर्णय-निर्माण, पुरोहित, युवा, गरीब, धार्मिक संघर्ष और लिपिकवाद पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

उद्घाटन ख्रीस्तयाग, पवित्र आत्मा का ख्रीस्तयाग, की अध्यक्षता टोक्यो, जापान के महाधर्माध्यक्ष आर्चबिशप तारकिसियो इसाओ किकुची, एसवीडी, और एफएबीसी के महासचिव करेंगे। इसके बाद प्रतिनिधियों को विचार-विमर्श और विवेक के विषयों से परिचित कराने के लिए एक ओरिएंटेशन किया जाएगा। प्रतिभागियों को अपने विचार व्यक्त करने के लिए अंतिम दस्तावेज का मसौदा भी साझा किया जाएगा।

आशा एशिया के विशाल और विविध महाद्वीप के लोगों के रूप में एक साथ यात्रा करने की है।

RVA Hindi